*Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education*

*Vol. VI, Issue No. XII, October-2013, ISSN 2230-7540*

# अटल बिहारी वाजपेयी सरकार की उपलब्धियों का अध्ययन

AN INTERNATIONALLY INDEXED PEER REVIEWED & REFEREED JOURNAL

www.ignited.in

*Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education*
*Vol. VI, Issue No. XII, October-2013, ISSN 2230-7540*

# अटल बिहारी वाजपेयी सरकार की उपलब्धियों का अध्ययन

**Dr. Ashok Arya***

Lecture, Department of Political Science, Babu Shobha Ram Government Arts College, Alwar, Rajasthan

***शोध पत्र सारांश: -*** *इस शोध पत्र में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार की उपलब्धियों का अध्ययन किया गया है। श्री वाजपेयी का जन्म ग्वालियर, मध्य प्रदेश में रहने वाले एक विनम्र स्कूल शिक्षक के परिवार में हुआ था। व्यक्तिगत जीवन में प्राप्त सफलता उनके राजनीतिक कौशल और भारतीय लोकतंत्र के कारण है। पिछले कई दशकों में, वह एक ऐसे नेता के रूप में उभरे हैं, जो दुनिया के लिए उदारवादी सोच और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को महत्व देता है। जनता के बीच पहचाने जाने वाले अटल बिहारी वाजपेयी अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते थे। 13 अक्टूबर 1999 को, उन्होंने लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की नई गठबंधन सरकार के प्रमुख के रूप में भारत के प्रधान मंत्री का पद संभाला। वह 1996 में एक छोटी अवधि के लिए प्रधान मंत्री बने। पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद वह लगातार दो बार प्रधानमंत्री बनने वाले पहले प्रधान मंत्री हैं। उस समय के तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने वाजपेयी के असाधारण व्यक्तित्व को देखकर कहा था कि यह व्यक्ति आने वाले दिनों में निश्चित रूप से प्रधानमंत्री बनेगा। वरिष्ठ सांसद श्री वाजपेयी चार दशकों से राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय थे। उन्हें लोकसभा में नौ बार (राज्य सभा में) और दो बार राज्यसभा (हाउस ऑफ स्टेट्स) में चुना गया, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। भारत के प्रधान मंत्री, विदेश मंत्री, संसद के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थायी समितियों के अध्यक्ष और विपक्ष के नेता के रूप में, उन्होंने स्वतंत्रता के बाद भारत की घरेलू और विदेश नीति को आकार देने में सक्रिय भूमिका निभाई।*

***मुख्य बिन्दु:-*** *राजनीतिक जीवन, सबसे अधिक बार लखनऊ से सांसद, अटल सरकार की उपलब्धियाँ, शान्ति वार्ता, परमाणु परीक्षण, कारगिल युद्ध, स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना*

----------X----------

## प्रस्तावना

पंडित कृष्ण बिहारी वाजपेयी, बटेश्वर के मूल निवासी, उत्तर प्रदेश में आगरा जिले के एक प्राचीन स्थान, मध्य प्रदेश के ग्वालियर की रियासत में एक शिक्षक थे। उसी समय, अटल जी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को ब्रह्ममुहूर्त में उनके सह-कलाकार कृष्ण वाजपेयी के गर्भ से शिंदे की छावनी में हुआ था। पिता कृष्ण बिहारी वाजपेयी ग्वालियर में अध्यापन कार्य करते थे, इसके अलावा, वे हिंदी और ब्रज भाषा के एक कुशल कवि भी थे। बेटे में कविता के गुण वंशानुगत अभ्यास से प्राप्त हुए थे। महात्मा रामचंद्र वीर द्वारा रचित अमर रचना "विजय पटका" को पढ़ने के बाद, अटल जी के जीवन की दिशा बदल गई। अटल जी ने ग्वालियर के विक्टोरिया कॉलेज (वर्तमान में लक्ष्मीबाई कॉलेज) से बी.ए. छात्र जीवन से ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बन गए और तब से उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

पहली कक्षा में कानपुर के डीएवी कॉलेज से राजनीति विज्ञान में एमए की परीक्षा उत्तीर्ण की। उसके बाद, अपने पिता के साथ, उन्होंने कानपुर में एलएलबी भी शुरू किया, लेकिन उन्हें बीच में ब्रेक देने के बाद, उन्होंने पूरी निष्ठा के साथ संघ में काम करना शुरू कर दिया। डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के निर्देशन में उन्होंने राजनीति का पाठ भी पढ़ा, साथ ही साथ पांचजन्य, राष्ट्रधर्म, दिनमान स्वदेश और वीर अर्जुन जैसी पत्रिकाओं के संपादन का काम भी किया।

www.ignited.in

## उद्देश्य

इस शोध पत्र के निम्नलिखित उद्देश्य हैं।

1. अटल बिहारी वाजपेयी के राजनीतिक उपलब्धियों का अध्ययन किया गया है।

2. अटल बिहारी वाजपेयी सरकार की प्रमुख कार्यों की जानकारी प्रदान की गई।

## परिकल्पना

1. अटल बिहारी वाजपेयी के राजनीतिक चिन्तन का जनसंघ से प्रेरित रहा है।

2. अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत को विश्व में परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र बनाया।

3. वर्तमान में भारतीय राजनीति में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के कार्यों की समीक्षा की जा रही है।

## आँकड़ो का संग्रह व विधितन्त्र

अध्ययन के लिए प्राथमिक एवम द्वितीयक आकड़ो का प्रयोग किया गया है। आँकड़े साक्षात्कार, प्रश्नावली, अनुसूची, सरकारी विभागों, प्रकाशित पुस्तकें, पत्र पत्रिकाओं, समाचार पत्र, मीडिया, न्यूज चैनल एवं विभिन्न वेबसाइटों आदि की सहायता से प्राप्त किये गए हैं।

## राजनीतिक जीवन:

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी देश के एकमात्र राजनेता थे जिन्होंने चार राज्यों में छह लोकसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया। वाजपेयी एकमात्र नेता हैं जिन्होंने लखनऊ और उत्तर प्रदेश के बलरामपुर, गुजरात के गांधीनगर, मध्य प्रदेश में ग्वालियर और विदिशा और दिल्ली में नई दिल्ली संसदीय सीट से चुनाव जीते हैं। भाजपा के कट्टर नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने 1955 में पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ा था। अटल जी अपना पहला चुनाव हार गए थे। 1957 में अटल जी ने बलरामपुर सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा और पहली बार लोकसभा जीते। 1996 में, अटल जी पहली बार भारत के प्रधान मंत्री बने। हालांकि अटल जी की पहली सरकार केवल 13 दिन ही चल सकी। दूसरी बार अटल जी 1998 में गठबंधन सरकार में प्रधान मंत्री बने और इस बार उनका कार्यकाल लगभग 13 महीने का था। तीसरी बार, अटल जी ने 13 अक्टूबर 1999 को देश की बागडोर संभाली और उन्होंने 13 दलों के गठबंधन के साथ पांच साल का कार्यकाल पूरा किया। अटल जी पहले गैर-कांग्रेसी नेता थे जो पांच साल तक प्रधानमंत्री रहे। अटल जी कुल 10 लोकसभा सांसद थे और वह 1962 और 1986 में दो बार राज्यसभा सांसद भी रहे। अटल ने उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली और मध्य प्रदेश से लोकसभा चुनाव लड़े और जीते और गुजरात से राज्यसभा पहुंचे। अटल जी मोरारजी देसाई की सरकार में 1977 से 1979 तक भारत के विदेश मंत्री रहे और विदेशों में भारत की छवि बनाई।

## सबसे अधिक बार लखनऊ से सांसद:

अटल मध्य प्रदेश से थे, लेकिन उत्तर प्रदेश के लखनऊ से उनका खास लगाव था। 1954 में, लोकसभा उपचुनाव के लिए, जनसंघ पहली बार लखनऊ से मैदान में आया। 1957 में बलरामपुर से चुने गए और लोकसभा के सदस्य बने। 1991 में, वे पहली बार लखनऊ से लोकसभा के लिए चुने गए। इसके बाद 1996, 1998, 1999, 2004 में अटल बिहारी वाजपेयी लखनऊ से सांसद थे। उन्होंने 2009 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा था। लखनऊ वासी केवल अटल बिहारी वाजपेयी को अटल जी के नाम से संबोधित करते हैं। लखनऊ अटल बिहारी की कर्मभूमि है। अटल बिहारी के प्रशंसक इतने अधिक थे कि मुस्लिम समुदाय के लोग भी, जो भाजपा से नाराज़ थे, अटल को पूरे दिल से चाहते थे। अटल जी की अंतिम रैली 25 अप्रैल 2007 को लखनऊ में कपूरथला चैराहे पर भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित की गई थी। इसके बाद, खराब स्वास्थ्य के कारण लखनऊ से उनका जुड़ाव धीरे-धीरे समाप्त हो गया।

**अटल सरकार की उपलब्धियां:**

**1. भारतीय परमाणु परीक्षण: -**

11 और 13 मई 1998 को, अटल सरकार ने पोखरण में पांच भूमिगत परमाणु परीक्षण किए और भारत को परमाणु ऊर्जा देश घोषित किया। इस कदम से, उन्होंने निर्विवाद रूप से भारत को विश्व मानचित्र पर एक मजबूत वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित किया। यह सब इतनी गोपनीयता के साथ किया गया कि अत्यधिक विकसित जासूसी उपग्रह और प्रौद्योगिकी संपन्न पश्चिमी देशों को भी इसका कोई सुराग नहीं मिला। इतना ही नहीं, पश्चिमी देशों द्वारा भारत पर कई प्रतिबंध लगाए गए, लेकिन वाजपेयी सरकार ने इसका सामना करते हुए, आर्थिक विकास की ऊंचाइयों को छुआ।

**2. पाकिस्तान से संबंध सुधारने की पहल:**

19 फरवरी 1999 को सद-ए-सरहद के नाम से दिल्ली से लाहौर के लिए बस सेवा शुरू की गई थी। इस सेवा का उद्घाटन करते हुए, पहले यात्री के रूप में, वाजपेयी ने पाकिस्तान की यात्रा की और नवाज़ शरीफ से मिले और आपसी संबंधों में एक नई शुरुआत की।

**3. कारगिल युद्ध:**

इसके तुरंत बाद, पाकिस्तानी सेना और आतंकवादियों ने कारगिल क्षेत्र में घुसपैठ की और पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ की देखरेख में कई पहाड़ी चोटियों पर कब्जा कर लिया। पाकिस्तान की सीमा का उल्लंघन नहीं करने की अंतरराष्ट्रीय सलाह का सम्मान करते हुए, अटल सरकार ने धैर्यपूर्वक लेकिन ठोस कार्रवाई करके भारतीय क्षेत्र को मुक्त कर दिया। इस युद्ध में, भारतीय सेना को प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण जान-माल का बड़ा नुकसान हुआ और पाकिस्तान के साथ शुरू हुए सुधार संबंध एक बार फिर शून्य हो गए।

**4. स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना:**

स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना (अंग्रेज़ी में - Golden Quadrilateral Project या GQ Project for short) भारत के सभी चारों कोनों को सड़क से जोड़ने के लिए शुरू की गई थी। इसके तहत दिल्ली, कलकत्ता, चेन्नई और मुंबई राजमार्ग द्वारा जुड़े हुए थे। यह माना जाता है कि अटल जी के शासनकाल के दौरान भारत में सड़कों की संख्या शेरशाह सूरी के समय में ही थी।

**वाजपेयी सरकार की अन्य प्रमुख उपलब्धियाँ:**

- सौ साल से अधिक पुराने कावेरी जल विवाद को सुलझा लिया गया।
- ढांचागत संरचना के लिए टास्क फोर्स, सॉफ्टवेयर विकास के लिए सूचना और प्रौद्योगिकी टास्क फोर्स, विद्युतीकरण को गति देने के लिए केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग आदि।

www.ignited.in

- राष्ट्रीय राजमार्गों और हवाई अड्डों का विकास; नई दूरसंचार नीति और कोंकण रेलवे की शुरूआत ने बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कदम उठाए।
- राष्ट्रीय सुरक्षा समिति, आर्थिक सलाह समिति, व्यापार और उद्योग समिति का भी गठन किया गया।
- आवश्यक उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए मुख्यमंत्रियों का सम्मेलन बुलाया गया।
- उड़ीसा के सबसे गरीब क्षेत्र के लिए सात सूत्री गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम शुरू किया।
- आवास निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए समाप्त शहरी छत अधिनियम।
- ग्रामीण रोजगार सृजन और भारतीय मूल के लोगों के लिए विदेश में शुरू की गई बीमा योजना।

**निष्कर्ष:**

अपने निजी जीवन में अटल बिहारी वाजपेयी की सफलता उनके राजनीतिक कौशल और भारतीय लोकतंत्र के कारण है। पिछले कई दशकों में, वह एक ऐसे नेता के रूप में उभरे हैं, जो दुनिया के लिए उदारवादी सोच और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को महत्व देता है। जनता के बीच पहचाने जाने वाले अटल बिहारी वाजपेयी अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते थे। उद्धरणः "उनके नाम की तरह, अटलजी एक प्रख्यात राष्ट्रीय नेता, एक शानदार राजनेता, एक निस्वार्थ सामाजिक कार्यकर्ता, एक शक्तिशाली वक्ता, एक कवि, एक साहित्यकार, एक पत्रकार और बहुमुखी व्यक्तित्व के व्यक्ति हैं।" अटलजी जनता की बात ध्यान से सुनते हैं और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने की कोशिश करते हैं। उनके कार्य राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को दर्शाते हैं।

**संदर्भ पुस्तक सूची:**


1. अटल बिहारी बाजपेई (डॉ। सुनील जोगी), राजनीति के शीर्ष कवि, 2000 सत्साहित्य भंडार, अशोक विहार (चरण -2), नई दिल्ली 110052
2. मेरी इक्यावन कविताएँ पृष्ठ 112
3. मेरी इक्यावन कविताएँ पृष्ठ 5 (कवि और मैं)
4. राजनीति के शीर्ष कवि अटल बिहारी बाजपेयी, पृष्ठ 14
5. साभार इंडिया डिस्कवरी चैनल की वेबसाइट
6. मृत्यु या हत्या, अटल बिहारी वाजपेयी
7. अमर बलिदान (लोकसभा में अटल जी के बयानों का संग्रह)
8. संसद में तीन दशक, अटल बिहारी वाजपेयी
9. कुछ लेखः कुछ भाषण, अटल बिहारी वाजपेयी



**Corresponding Author**

**Dr. Ashok Arya***

Lecture, Department of Political Science, Babu Shobha Ram Government Arts College, Alwar, Rajasthan